साहित्य अकादेमी

रवींद्रनाथ ठाकुर की जयंती पर साहित्य मंच का किया गया आयोजन

नई दिल्ली, लोकसत्य

साहित्य अकादेमी में मंगलवार को रवींद्रनाथ ठाकुर की जयंती पर साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय प्रकृति,पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण था। बताया गया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता अंग्रेजी लेखिका मालाश्री लाल ने की। अकादेमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर का 20 वीं शताब्दी के सांस्कृतिक परिदृश्य का व्यापक प्रभाव है। उनकी कविता जो प्रकृति के बेहद समीप रही उन रचनाओं ने उन्हें विश्व में पहचान दिलाई है।

साहित्य मंच कार्यक्रम में प्रयाग शुक्ल हिंदी, अजय कुमार मिश्र संस्कृत तथा शहजाद अंजुम उर्दू ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए है। इस मौके पर अजय कुमार मिश्र ने कहा रवींद्रनाथ ठाकुर स्वच्छंदतावाद को भारतीय संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं और मानव के साथ प्रकृति बहुआयामी संबंधों को चित्रित करती है। उर्दू लेखक शहजाद अंजुम ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में रवींद्रनाथ ठाकुर की 13 पुस्तकों के उर्दू में अनुवाद के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ रहते ही उन्होंने अपने लेखन को अंजाम दिया। अंत में मालाश्री लाल ने कहा कि रवींद्रनाथ ठाकुर ने केवल प्रकृति पर लिखा ही नहीं बल्कि उसे अपने जीवन में भी उतारा।